भारत सरकार
विधि और न्याय मंत्रालय
न्याय विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4327
जिसका उत्तर शुक्रवार, 20 दिसम्बर, 2024 को दिया जाना है

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण

4327. श्री जी. सेल्वम :

श्री नवसकनी के :

श्री सी.एन.अन्नादुरई :

क्या विधि और न्याय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश भर में आर्थिक रूप से वंचित नागरिकों को मुफ्त विधिक सहायता प्रदान करने के लिए वर्तमान में स्थापित प्राधिकरणों और संस्थाओं का ब्यौरा क्या है ;

(ख) राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं के कार्यान्वयन के समन्वय और पर्यवेक्षण में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) की भूमिका क्या है ;

(ग) महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और दिव्यांग व्यक्तियों जैसे सीमांत समूहों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता सेवाओं तक पहुँचने के लिए पात्रता मानदंड क्या हैं ;

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान तमिलनाडु सहित राज्य-वार राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लिए गए मामलों/प्रदान की गई निःशुल्क कानूनी सहायता की संख्या कितनी है ;

(ङ) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान एनएएलएसए द्वारा आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि की राशि कितनी है ; और

(च) क्या सरकार के पास एनएएलएसए सहित इन प्राधिकरणों/संस्थाओं के कामकाज/निष्पादन की निगरानी करने के लिए कोई तंत्र है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

विधि और न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार);

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री अर्जुन राम मेघवाल)

(क) : समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को मुफ्त विधिक सहायता प्रदान करने के लिए निम्नलिखित प्राधिकरण/संस्थाएँ स्थापित की गई हैं:-

- i. राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए)
- ii. उच्चतम न्यायालय स्तर पर उच्चतम न्यायालय विधिक सेवा समिति (एससीएलएससी)
- iii. उच्च न्यायालय स्तर पर 38 उच्च न्यायालय विधिक सेवा समितियाँ (एचसीएलएससी)
- iv. राज्य स्तर पर 37 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (एसएलएसए)
- v. जिला स्तर पर 709 जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए)
- vi. तालुक स्तर पर 2376 तालुक विधिक सेवा समितियाँ (टी.एल.एस.सी.)

(ख) और (ग) : नालसा का गठन विधिक सेवा प्राधिकरण (एल.एस.ए.) अधिनियम, 1987 के अधीन किया गया है, जिसका उद्देश्य अधिनियम की धारा 12 के अधीन आने वाले लाभार्थियों, अर्थात् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, दिव्यांग व्यक्ति आदि सहित समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क और सक्षम विधिक सेवाएँ प्रदान करना है। यह अधिनियम सुनिश्चित करता है कि आर्थिक या अन्य

अक्षमताओं के कारण किसी भी नागरिक को न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न किया जाए, तथा विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए लोक अदालतों का आयोजन किया जाए।

नालसा ने निवारक और रणनीतिक विधिक सेवा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न स्कीमों में तैयार की हैं, जिन्हें विभिन्न स्तरों पर विधिक सेवा प्राधिकरणों द्वारा शुरू और कार्यान्वित किया गया है। इन सभी उत्तरदायित्व को पूरा करने में, नालसा विभिन्न राज्य विधिक सेवा प्राधिकरणों, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों और अन्य अभिकरणों के साथ निकट समन्वय में काम करता है जिससे सुसंगत सूचनाओं का नियमित आदान-प्रदान, विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन और प्रगति पर निगरानी और अद्यतनीकरण किया जा सके और विभिन्न अभिकरणों और हितधारकों के सुचारू और सुव्यवस्थित कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए एक रणनीतिक और समन्वित दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जा सके।

(घ) : पिछले तीन वित्तीय वर्षों अर्थात् 2021-22, 2022-23, 2023-24 के दौरान विधिक सेवा संस्थानों द्वारा प्रदान की गई मुफ्त विधिक सेवाओं के माध्यम से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार विवरण उपाबंध-क में है।

(ङ) : सरकार द्वारा वार्षिक आधार पर नालसा को अनुदान सहायता के अधीन धनराशि आवंटित और जारी की जाती है। पिछले 3 वर्षों अर्थात् 2021-22, 2022-23 और 2023-24 के दौरान सरकार द्वारा नालसा को क्रमशः 145 करोड़ रुपये, 190 करोड़ रुपये और 400 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता आवंटित/जारी की गई। चालू वर्ष अर्थात् 2024-25 के लिए नालसा को 200 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता आवंटित की गई है, जिसमें से अब तक 150 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय क्षेत्र स्कीम अर्थात् "विधिक सहायता रक्षा परामर्श प्रणाली (एलएडीसीएस) योजना" के कार्यान्वयन के लिए बजट अनुमान 2024-25 में 200 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिनमें से अब तक नालसा को 50 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।

(च) : विधिक सेवा प्राधिकरणों के प्रदर्शन की निगरानी करने के लिए, नालसा सभी एसएलएसए से मासिक क्रियाकलाप रिपोर्ट प्राप्त करता है, जिसमें किसी विशेष माह में की गई सभी क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला जाता है। इसके बाद, नालसा द्वारा मासिक आधार पर एक अंतिम क्रियाकलाप रिपोर्ट सरकार को भेजी जाती है, जिसकी समीक्षा की जाती है और उसे संकलित किया जाता है। मासिक क्रियाकलाप रिपोर्टों के अतिरिक्त, नालसा सभी एसएलएसए से वार्षिक रिपोर्ट भी प्राप्त करता है और अपनी वार्षिक रिपोर्ट तैयार करता है, जिसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जाता है।

विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अधीन विधिक सहायता के कामकाज का आकलन करने के लिए कार्मिक, लोक शिकायत, विधि और न्याय पर विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समिति द्वारा विभिन्न मुद्दों पर आवधिक पुनर्विलोकन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, विधिक सेवा प्राधिकरणों के प्रदर्शन की निगरानी के लिए नालसा द्वारा अक्सर अखिल भारतीय और क्षेत्रीय बैठकें आयोजित की जाती हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न महत्वपूर्ण मामलों पर नालसा और न्याय विभाग के प्रतिनिधियों के बीच नियमित बैठकें भी आयोजित की जाती हैं।

उपाबंध क

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण- श्री सेल्चम जी, श्री नवसकानी के और श्री सी एन अत्रादुरई, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा अतारंकित प्रश्न संख्या 4327 जिसका उत्तर 20.12.2024 को दिया जाना है, के उत्तर में संदर्भित विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के अंतर्गत विधिक सेवा संस्थाओं द्वारा प्रदान की गई निःशुल्क विधिक सेवाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या का विवरण दर्शाने वाला विवरण।

क्र.सं.	राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र प्राधिकरण का नाम	2021-22	2022-23	2023-24
1	अंदमान व निकोबार द्वीप समूह	79	134	220
2	आंध्र प्रदेश	6371	9473	8265
3	अरुणाचल प्रदेश	2657	5559	5696
4	असम	110254	38335	63749
5	बिहार	1689158	209809	151413
6	चंडीगढ़	1781	2653	2822
7	छत्तीसगढ़	42394	44106	62164
8	दादरा और नागर हवेली	27	28	55
9	दमण और दीव	17	24	34
10	दिल्ली	79055	96433	121882
11	गोवा	1101	2041	1558
12	गुजरात	21953	32422	40569
13	हरियाणा	23260	43098	76863
14	हिमाचल प्रदेश	4806	5998	7346
15	जम्मू-कश्मीर	8870	7992	11396
16	झारखंड	649481	145217	269303
17	कर्नाटक	32794	45663	53406
18	केरल	16895	23418	36498
19	लद्दाख	2408	711	505
20	लक्षद्वीप	0	0	0
21	मध्य प्रदेश	3343800	191921	225510
22	महाराष्ट्र	22595	36663	53756
23	मणिपुर	22651	26929	62635
24	मेघालय	2346	2769	2371
25	मिजोरम	3201	5038	4801
26	नागालैंड	7750	7390	4603
27	ओडिशा	8849	11880	19289
28	पुदुचेरी	884	788	621
29	पंजाब	36404	56448	60361
30	राजस्थान	13833	13472	20290
31	सिक्किम	986	1127	1074
32	तमिलनाडु	38181	49570	45180
33	तेलंगाना	6712	12615	13193
34	त्रिपुरा	2671	5055	9964
35	उत्तर प्रदेश	132629	24890	29079
36	उत्तराखंड	3775	5386	21339
37	पश्चिमी बंगाल	29015	49714	62354
	कुल	6369643	1214769	1550164